

प्रो० विजय कुमार महोत्रा: इन्वायमेंट पर डिस्कशन शुरू कर दीजिए... (व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No; I think, it is too late for the discussion. Let us be very serious about it. We have enough laughter and jokes.

श्री खान गुफरान जाहिदी: मैडम, अब उस वक्त तक कोई आइटम न लिया जाए जब तक हाऊस परमिट न करे।... (व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can't sit in a vacuum in the House. The House cannot sit without any business. So, we can wait in the Chamber. I will come back after ten minutes. We can adjourn the House for ten minutes, and we will wait for the Prime Minister. I adjourn the House for ten minutes.

The House then adjourned at four minutes past six of the clock.

The House reassembled at fourteen minutes past six of the clock, The Deputy Chairman in the chair.

उपसभापति: एक घंटे में यह तीसरी दफा, चौथी दफा है। प्रधानमंत्री जी को आपने बुलाया है। क्या करना है, उनकी सुन लीजिए। प्रधानमंत्री जी आप पूछ लीजिए कि आपको क्यों बुलाया है।

मैं आपको संक्षेप में बता दूँ। यह कह रहे थे, कुछ लोगों को शिकायत थी कि सुबह आप कुछ कहना चाह रहे थे। आप गुरुदास दासगुप्त जी के कहने पर बैठ गए थे और आपको बात पूरी नहीं हो पाई थी। जो आप कहना चाह रहे थे, वह सुनना चाहते हैं। इतना उत्सुक है यह हाऊस प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए।

#### RE. POSTAL STRIKE

प्रधानमंत्री (श्री अटलबिहारी वाजपेयी): उपसभापति जी, मैं सदन का आभारी हूँ कि वह मेरी अधूरी बात को पूरे रूप में सुनना चाहते हैं। मेरे कारण जो असुविधा हुई है, उसके लिए भी मुझे खेद है। सवेरे जब डाक हड़ताल का सवाल उठाया गया था तो मैं यह कहने के लिए खड़ा हुआ था कि हड़ताल की ताज़ा स्थिति के बारे में सारे तथ्य एकत्र किये जाएंगे और फिर सदन के सामने एक वक्तव्य के रूप में दोपहर को या शाम को जब समय होगा तब उपस्थित किये जाएंगे। लेकिन यह बात मैं पूरी नहीं कर पाया था। यह बात सही है। इसी बीच मैं संचार मंत्री आ गई। मैंने समझा कि उनका विभाग है वह उसको सम्भालें और मैंने उनके

लिए स्थान छोड़ दिया क्योंकि वह ताज़ा स्थिति से परिचित हैं, वह ताज़ा स्थिति से निबट रही हैं। वह हड़ताल किसी तरह से समाप्त हो, इसके लिए कर्मचारियों से लगातार बातचीत का सिलसिला जारी रखे हुए हैं... (व्यवधान)...

उपसभापति: सर, लेडीज़ कर्स्ट काली बात भी होगी।

प्रधानमंत्री (श्री अटलबिहारी वाजपेयी): मैं यही कहना चाहता था और अब तो मुझे खुशी है कि हड़ताल वापिस हो गई है। मैं यह आश्वासन देना चाहता हूँ कि हड़ताल के लिए किसी भी कर्मचारी का विकीमीडिज़ेशन नहीं होगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now all of you should thank the Prime Minister because he came here. Now Shrimati Sushma Swaraj.

SHRI JOHN F. FERNANDES (GOA): Madam, is it a *suo moto* statement?

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not a *suo moto* statement. She is just informing the House about the latest position. There will be no clarifications. There is no need for clarification.

संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): उपसभापति महोदया, कई बार समय इतनी तेज़ गति से दौड़ता है कि सुबह की घटना भी शाम को बासू हो जाती है। आज सुबह माननीय सदस्यों ने कुछ मुद्दे बहुत उत्तेजना में उठाए थे लेकिन दोपहर बाद की घटनाओं ने उन्हें इनफ्रक्चियस कर दिया क्योंकि हड़ताल वापिस हो गई और उसका संतोषजनक समाधान निकल आया। मेरे हाथ में सेक्रेटरी जनरल, नेशनल फेडरेशन आफ पोस्टल इम्प्लाइज़ डी आर० भटनागर और सेक्रेटरी जनरल फेडरेशन आफ नेशनल पोस्टल ऑर्गेनाइज़ेशन श्री जी० के० पदमानाभन, दोनों का संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किया गया वक्तव्य है जिसके माध्यम से मैं सदन को अवगत करना चाहती हूँ। उन्होंने लिखा है — On 15.7.1998, the Joint Council of Action had a very fruitful discussion with the Chairman and members of the Postal Board. On 16.7.1998, the Joint Council of Action met the hon. Minister of Communications and she appealed to the unions to have full faith in her and assured sympathetic and expeditious

settlement of the issues including implementation of the Talwar Committee recommendations contained in the charter of demands. JCA, expressing full confidence in the Minister's assurance, called off the strike forthwith. JCA appeals to all the employees to resume the work with immediate effect. On behalf of the employees, JCA assured the hon. Minister that the backlog will be cleared as expeditiously as possible and

the normalcy will be restored. Thank you.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now on this very happy note, I adjourn the House till 11 a.m. tomorrow.

The House then adjourned at nineteen minutes past six of the clock till eleven of the clock on Friday, the 17th July, 1998.